No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

00761

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) फिर भी मैं चाहता हूँ मंदिर में प्रवेश
और बनना पुजारी
हाँ-हाँ, मैं पुजारी बनना चाहता हूँ
देव-दर्शन के लिए नहीं
पूजन-अर्चन के लिए नहीं कि –
देव-मूर्ति के सांनिध्य में रहकर
एक मानव कैसे बन जाता है
पाषाण-हृदय अमानव ?

(ख) घर-घर में सूनी आँखों से
एक-एक औरत
घर से बाहर गए
अपने-अपने आदमी के
लौटने का इंतज़ार करती है,
सच यही है
वे क़तरा-क़तरा होकर
जीती हैं
और क़तरा-क़तरा होकर
मरती हैं ।

(ग) अपने दुर्भाग्य पर सुबकती सुगिया बच्चे को छाती से चिपकाए कूड़ा फेंकने वाले ठेकेदार के पास भागी-भागी गई । पर हर ठेकेदार का रूप उसे एक जैसा लगा ।

(घ) वह बेहद नीरस औरत थी, न कोयल की तरह कूकती थी, और न चिड़ियों की तरह चहकती थी । तोता-मैना के किस्से कहानियाँ सुनाने वाली दादी अम्मा बनकर वह हमारे घर आयी ।

2. 'सुनो ब्राह्मण' कविता के कथ्य का विश्लेषण कीजिए । *10*

3. 'अछूत की शिकायत' कविता का मर्म और महत्त्व रेखांकित कीजिए । *10*

4. 'दलित कहानी की विशिष्टता' पर एक निबन्ध लिखिए । *10*

5. 'सुमंगली' कहानी के विभिन्न पक्षों का उद्‌घाटन कीजिए । *10*

6. 'जूठन' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए । *10*

7. ' 'वैतरणी' कहानी दलित समाज की पीड़ा का दस्तावेज़ है ।' इस कथन पर विचार कीजिए । *10*